

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

- Everybody believed that Vijay Singh, the famous wrestler, was unbeatable.
- हर कोई मानता था कि प्रसिद्ध पहलवान, विजय सिंह, अपराजेय था।
- Vijay Singh was a bit boastful at times.
- विजय सिंह कई बार थोड़ा घमंडी हो जाता था।
- Once he took it upon himself to fight a ghost.
- एक बार उसने एक भूत से लड़ने की ठान ली।

THERE was once a wrestler called Vijay Singh. A tall man with massive shoulders and muscular arms, he towered over others like a giant. Vijay Singh, people said, was a born wrestler and could beat all other wrestlers in the world.

एक बार विजय सिंह नाम का एक पहलवान था। वह विशाल कंधों और मांसल हाथों वाला एक लंबा आदमी था जो कि दूसरों के सामने एक राक्षस की तरह लगता था। लोग कहते थे कि विजय सिंह, पैदा ही एक पहलवान हुआ था और दुनिया के अन्य सभी पहलवानों को हरा सकता है।

This pahalwan had but one shortcoming which often landed him in awkward situations. He was fond of boasting. One day, he was sitting in the market-place surrounded by several young men. After drinking many glasses of milk, he suddenly proclaimed, "Why are people afraid of ghosts? I am not. I wish I met a stout ghost. I'd teach him a lesson."

इस पहलवान में एक कमी थी जो अक्सर उसे अजीब स्थितियों में ले जाती थी। उसे डींगें मारने का शौक था। एक दिन वह बाजार में कई युवकों से घिरा हुआ एक स्थान पर बैठा था। कई गिलास दूध पीने के बाद उसने अचानक घोषणा की, 'लोग भूतों से क्यों डरते हैं? मैं नहीं डरता। काश मुझे एक मोटा भूत मिलता। मैं उसे सबक सिखाता।

There were murmurs of applause as well as apprehension among the young men. "If you walk alone at night through the Haunted Desert," one of them said, "you are sure to meet ghosts. They roam there freely. Strange shrieks and moans can be heard all over the place. Travellers have been looted and killed. Would you really want to go there?" Vijay Singh's mighty heart missed a beat or two. Why did he have to boast? "Yes, I have heard of the Haunted Desert," he said nonchalantly. "I think it's just a fairy tale."

जवान व्यक्तियों के बीच तालियों की गड़गड़ाहट के साथ-साथ आशंका भी थी। उनमें से एक ने कहा, 'यदि तुम रात में अकेले भूतिया रेगिस्तान में जाओगे' 'तुम्हारी वहां भूतों से अवश्य मुलाकात होगी। वे वहां स्वच्छंद घूमते हैं। उस पूरी जगह पर अजीब चीखें और विलाप सुना जा सकता है। यात्रियों को लूटा गया है और मारा गया है। क्या आप वास्तव में वहां जाना चाहोगे?' 'विजय सिंह का ताकतवर दिल भी डर गया। उसे घमंड क्यों करना था? उसने कहा, 'हां, मैंने भूतिया रेगिस्तान के बारे में सुना है। बेपरवाह। 'मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक परी की कहानी है।'

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

"Oh no", said one of his admirers, "it's true. This place is ten miles to the west on the road to Jaisalmer. The landmark is an ugly black rock that looks like the head of a camel. Beyond that there is nothing but sand and wilderness and, of course, ghosts."

उसके प्रशंसकों में से एक ने कहा, 'ओह नहीं', 'यह सच है। यह जगह जैसलमेर जाने वाली सड़क पर पश्चिम से दस मील की दूरी पर है। मील का पत्थर एक बदसूरत काली चटान है जो ऊंट के सिर की तरह दिखता है। इसके बाद रेत और जंगल के अलावा कुछ भी नहीं है और, बेशक, भूत हैं।

- Vijay Singh set out to find a ghost in the Haunted Desert.
- विजय सिंह भूतिया रेगिस्तान में भूत को खोजने के लिए चल पड़ा।
- An old woman gave him a small packet containing an egg and a lump of salt.
- एक बूढ़ी औरत ने उसे एक छोटा सा पैकेट दिया जिसमें एक अंडा और नमक की गांठ थी।
- Vijay Singh met a ghost who claimed he was his friend, Natwar.
- विजय सिंह की मुलाकात एक भूत से हुई, जिसने दावा किया कि वह उसका दोस्त नटवर है।

Almost the entire village turned up that evening to bid farewell to Vijay Singh, who was ready to set out west. Just then an old woman came forward and thrust a small packet into his hands, and Vijay Singh started walking into the red sunset of the desert.

विजय सिंह को विदाई देने के लिए उस शाम लगभग पूरा गांव आया था, जो पश्चिम की ओर जाने के लिए तैयार था। तभी एक बूढ़ी औरत आगे आई और उसके हाथ में एक छोटा सा पैकेट थमा दिया, और विजय सिंह ने रेगिस्तान के लाल सूर्यास्त में चलना शुरू कर दिया।

As he walked, the night deepened. The moon was bright and the stars shone clearly in the Rajasthan sky. Still a few miles short of his destination, Vijay Singh remembered the old woman's packet. He opened it and found nothing but a lump of salt and an egg. The old woman was well-known for her eccentricities.

जैसे वह चलता गया, रात गहरी होती गई। राजस्थान के आकाश में चंद्रमा तेज चमक रहा था और तारे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। अभी भी अपने गंतव्य से कुछ मील दूर रहते हुए, विजय सिंह को बूढ़ी औरत का पैकेट याद आया। उसने इसे खोला और एक नमक की गांठ और एक अंडे के अलावा कुछ भी नहीं मिला। बूढ़ी औरत अपनी सनक के लिए विख्यात थी।

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

As Vijay Singh stepped into the Haunted Desert, he heard a voice. "Vijay Singh, Vijay Singh! You will get lost in the desert. Come this way. I am your friend, Natwar." At once Vijay Singh realised it was not his friend but a ghost. Trying to sound brave, he called back, "Where are you, my dear Natwar? It's dark and I cannot see you. Come here and show me the way." Like all good wrestlers, Vijay Singh wanted to size up his enemy.

जैसे ही विजय सिंह ने भूतिया रेगिस्तान में कदम रखा, उसने एक आवाज सुनी। 'विजय सिंह, विजय सिंह! तुम रेगिस्तान में खो जाओगे। इस ओर आओ। मैं तुम्हारा दोस्त हूँ, नटवर। विजय सिंह को तुरंत एहसास हुआ कि यह उसका दोस्त नहीं बल्कि भूत है। स्वयं को बहादुर दिखाने की कोशिश करते हुए, उसने वापस कहा, 'तुम कहां हो, मेरे प्यारे नटवर? यहां अंधेरा है और मैं तुम्हें नहीं देख सकता। यहां आकर मुझे रास्ता दिखाओ।' सभी अच्छे पहलवानों की तरह विजय सिंह अपने दुश्मन का आकार देखना चाहता था।

Soon the ghost appeared at his side. Vijay Singh peered into his face and declared, "You are just a plain, lying ghost. Anyway, now I don't have to walk all night. I was longing to meet you." Not used to insults, the ghost was taken aback. People generally started back in horror when they met him. They often fainted. But here was this unfeeling creature claiming he wanted to meet a ghost. It didn't make sense.

जल्द ही भूत उसके साथ में दिखाई दिया। विजय सिंह ने उसके चेहरे में देखा और घोषणा की, 'तुम सिर्फ एक सादा, झूठ बोलने वाले भूत हो। वैसे भी अब मुझे पूरी रात नहीं चलना है। मैं तुमसे मिलने के लिए तरस रहा था। अपमान सहन नहीं करने का आदि भूत, चकित हो गया था। लोग आम तौर पर उससे मिलकर आतंक में वापस जाना शुरू कर देते थे। वे अक्सर बेहोश हो जाते थे। लेकिन यहां यह एक अबोध प्राणी था जिसका दावा है कि वह एक भूत से मिलना चाहता था। उसे कुछ समझ नहीं आया।

"Really, I don't know why you longed to meet me," the ghost said.

"That proves," said Vijay Singh in a bored voice, "that you are a stupid ghost. The least a ghost can do is to read a man's thoughts. However, a worthless ghost like you is better than no ghost. The fact is, I am tired of wrestling with men. I want to fight a ghost".

भूत ने कहा, 'वास्तव में, मैं नहीं जानता कि तुम्हें मुझसे मिलने की लालसा क्यों है।'

विजय सिंह ने ऊबाऊ आवाज में कहा, 'यह साबित करता है, 'कि तुम एक बेवकू भूत हो। एक भूत ज्यादा से ज्यादा किसी मनुष्य के विचारों को पढ़ सकता है। हालांकि, तुम्हारे जैसे एक बेकार भूत से बेहतर है कोई भूत न हो। तथ्य यह है कि मैं पुरुषों के साथ कुश्ती करते करते थक गया हूँ। मैं एक भूत से लड़ना चाहता हूँ।'



## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

The ghost was speechless. Marshalling his ghostly wits, he made an attempt to look Vijay Singh scornfully in the eye. "Frankly," he said, "you don't appear all that strong to me."

भूत अवाक था। अपनी भूतिया बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए, उसने घृणापूर्वक विजय सिंह की आंखों में देखने का प्रयास किया। उसने कहा, 'सच कहूं तो' 'मुझे तुम इतने मजबूत नहीं दिखाई देते।

"Appearances can be deceptive," Vijay Singh said. "Take your own case. You claim to be Natwar, though actually you are a rascal of a ghost. If you doubt my strength, let me give you a demonstration of it."

विजय सिंह ने कहा, 'दिखावे भ्रामक हो सकते हैं।' अपने मामले को ही ले लो। तुम नटवर होने का दावा करते हो, हालांकि वास्तव में तुम एक बदमाश भूत हो। यदि तुम्हें मेरी ताकत पर शक है, तो मैं तुम्हें इसका एक प्रदर्शन करके दिखाता हूँ।

## II

Vijay Singh demonstrated his strength by crushing what the ghost thought was a piece of rock.

विजय सिंह ने उस चीज को पीस कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया जिसे भूत ने चट्टान का टुकड़ा समझा।

The ghost avoided a wrestling bout with Vijay Singh but decided to conquer him through cheating.

भूत ने विजय सिंह के साथ कुश्ती के मुकाबले को टाला लेकिन धोखे के जरिए उसे जीतने का फैसला किया।

He invited Vijay Singh to be his guest for the night.

उसने विजय सिंह को रात के लिए अपना मेहमान बनने के लिए आमंत्रित किया।

Vijay Singh picked up a piece of rock from the sand. "Take this," he offered it to the ghost, "and squeeze it hard. It is filled with fluid. See if I am wrong." While the ghost tried to squeeze the rock first with one hand, then with both, Vijay Singh stealthily took out the egg from his pocket.

विजय सिंह ने रेत से चट्टान का टुकड़ा उठाया। उसने उसे भूत को देते हुए कहा, 'इसे लो' 'और इसे जोर से निचोड़ो। यह तरल पदार्थ से भरा हुआ है। देखो अगर मैं गलत हूँ तो। जबकि भूत ने पहले एक हाथ से चट्टान को निचोड़ने की कोशिश की, फिर दोनों हाथ से, विजय सिंह ने छिपकर अपनी जेब से अंडा निकाल लिया।

Vijay Singh snatched the rock from the ghost and placed it between both hands and squeezed. At once the yellow yolk oozed from around his fingers, and the crackling of the egg-shell created the illusion of the stone being crushed. The ghost was so astonished he did not notice Vijay Singh bending to clean his hands with sand and disposing of the tell-tale shell. Vijay Singh then picked up another piece of rock and gave it to the ghost. Without a word the ghost took it, felt it, and peered at it. Vijay Singh put his hand into his pocket to take out the lump of salt.

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

विजय सिंह ने भूत से चटान छीन ली और दोनों हाथों के बीच रखकर निचोड़ी। एक बार में पीली जर्दी उसकी उंगलियों के चारों ओर से निकलने लगी, और अंडे के खोल की तीखी आवाज ने भ्रम पैदा किया जैसे पत्थर कुचला जा रहा है। भूत इतना चकित था कि उसने विजय सिंह के झुककर अपना हाथ साफ करने और अंडे का खोल फेंकने पर ध्यान नहीं दिया। विजय सिंह ने तब चटान का एक और टुकड़ा उठाया और भूत को दिया। एक शब्द कहे बिना भूत ने इसे लिया, महसूस किया, और उसे देखा। विजय सिंह ने अपनी जेब में हाथ डाला और नमक की गांठ बाहर निकाली।

"This is only a stone," protested the ghost. "And anyway it is too dark to see."

"Never heard of a ghost who can't see in the dark!" remarked Vijay Singh. "That stone which you hold in your hand contains salt. Crumble it and see." Again the ghost tried to crush the stone, but in vain. He handed over the stone to Vijay Singh. The ghost was now beginning to doubt his ghostly powers.

भूत ने विरोध करते हुए कहा, 'यह केवल एक पत्थर है।' और वैसे भी यह देखने के लिए बहुत अंधेरा है।

विजय सिंह ने कहा, 'कभी नहीं सुना कि एक भूत है जो अंधेरे में नहीं देख सकता!'। 'वह पत्थर जो तुमने अपने हाथ में पकड़ रखा है, उसमें नमक है। इसे पीस कर देखो।' फिर भूत ने पत्थर को कुचलने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ गया। उन्होंने पत्थर विजय सिंह को सौंप दिया। भूत अब अपनी भूतिया शक्तियों पर शक करने लगा था।

"I can see that you're not going to be a worthy opponent. What's the use of wrestling with a weakling whom I can floor in a minute?" So saying, Vijay Singh casually crumbled the lump of salt and let the stone drop in the darkness. He held out his hand and commanded the ghost to taste the powdered stone.

'मैं देख सकता हूँ कि तुम एक योग्य प्रतिद्वंद्वी नहीं होगे। एक कमजोर जिसे मैं एक मिनट में हरा सकता हूँ के साथ कुश्ती का क्या लाभ है?' 'ऐसा कह कर विजय सिंह ने आसानी से नमक की गांठ को पीस दिया और पत्थर को अंधेरे में गिरा दिया। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और भूत को पीसे हुए पत्थर का स्वाद चखने की आज्ञा दी।

Mesmerised with the pahalwan's extraordinary strength, the ghost did as he was told. Alarm shot through him. This man could easily vanquish him in a wrestling bout in the dark. But perhaps, he could be tricked in other ways. Assuming a servile manner, the ghost said, "Friend Vijay Singh, it is an honour to meet a man like you! I admit to being defeated. But where will you go tonight? Rest in my house. You can leave tomorrow."

पहलवान की असाधारण ताकत से मंत्रमुग्ध होकर भूत ने वैसा ही किया जैसा उसे बताया गया था। वह हतप्रभ रह गया। यह आदमी आसानी से उसे अंधेरे में एक कुश्ती मुकाबले में परास्त कर सकता है। लेकिन शायद, इसे अन्य तरीकों से बरगलाया जा सकता है। दासता को मानते हुए भूत ने कहा, 'दोस्त विजय सिंह, आप जैसे आदमी से मिलना सम्मान की बात है! मैं हार जाने की बात स्वीकार करता हूँ। लेकिन आप आज रात कहाँ जाएंगे? मेरे घर में आराम करो। आप कल जा सकते हैं।

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

Now thoroughly elated, Vijay Singh replied, "I cannot refuse your hospitality but tomorrow you will go with me as my prisoner. I must display the trophy of my victory to my people!" The ghost bowed in agreement, but silently vowed to kill Vijay Singh in the night. He led him to his house in the cave.

अब पूरी तरह से उत्तेजित होकर, विजय सिंह ने जवाब दिया, 'मैं तुम्हारे आतिथ्य को मना नहीं कर सकता लेकिन कल तुम मेरे साथ मेरे कैदी के रूप में चलोगे। मुझे अपने लोगों को अपनी जीत की ट्राफी प्रदर्शित करनी चाहिए।' भूत समझौते में झुक गया, लेकिन रात में चुपचाप विजय सिंह को मारने की कसम खाई। वह उसे गुफा में अपने घर ले गया।

Vijay Singh kept awake at night. He cleverly duped the ghost in his own cave.

विजय सिंह रात में जागता रहा। उसने बड़ी चतुराई से भूत को उसकी ही गुफा में ठगा।

The ghost believed that Vijay Singh was unbeatable.

भूत का मानना था कि विजय सिंह अपराजेय है।

He ran away leaving all his property which made Vijay Singh wealthy for life.

वह अपनी सारी संपत्ति छोड़कर भाग गया जिसने विजय सिंह को आजीवन धनी बना दिया।

The ghost fed him dry fruits and a lot of milk, and later led him to a luxurious bed to sleep on, complete with pillows and bolsters.

But Vijay Singh lay awake listening to the snores of the ghost. In the middle of the night, he slipped off his bed. He placed a bolster in the centre of the bed, throwing over it a coverlet to make it look exactly like a sleeping man. Having done this he crouched watchfully in a dark corner.

भूत ने उसे सूखे मेवे खिलाए और ढेर सारा दूध पिलाया और बाद में उसे तकिए और गद्दे लगे एक शानदार बिस्तर पर सोने के लिए ले गया।

लेकिन विजय सिंह भूत के खरटे सुनकर जागता रहा। रात के बीच में वह अपने बिस्तर से निकल गया। उसने बिस्तर के बीच में एक तकिया रखा, एक चदर से ढक दिया ताकि यह बिल्कुल एक आदमी की तरह लगे। ऐसा करने के बाद वह एक अंधेरे कोने में सतर्क रूप से छिप गया।

Sure enough, just before the break of dawn, the ghost approached the bed armed with a stout club. He brought the club down on what he thought was Vijay Singh's head. Not hearing even a groan, he smiled, pleased that he had killed his enemy.

पूरा सुनिश्चित होकर, सुबह होने से ठीक पहले, भूत एक मोटा हथौड़ा लेकर बिस्तर के पास पहुंचा। उसने विजय सिंह का सिर सोचकर हथौड़ा उस पर मारा। कराहने की एक भी आवाज नहीं सुनकर, वह मुस्कुराया, खुश हुआ कि उसने अपने दुश्मन को मार डाला था।



## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

(English to Hindi Translation)

However, just to make doubly sure, he struck the bolster six times more. Satisfied with his work, he returned to his couch, and covering his head, settled down to sleep again. Meanwhile, Vijay Singh crept silently back into bed. After a pause, he groaned, as if in disgust, threw back his coverlet, and sat up.

हालांकि, बस दोगुना यकीन करने के लिए, उसने और छह बार हथौड़ा मारा। अपने काम से संतुष्ट होकर वह अपने बिस्तर पर लौट आया और अपने सिर को ढककर, फिर से सोने के लिए लेट गया। इस बीच विजय सिंह चुपचाप वापस बिस्तर पर आ गया। थोड़ी देर रुक कर, वह कराहने लगा, जैसे कि वह घृणा में था, उसने अपनी चादर फेंक दी, और बैठ गया।

Disturbed by the noise, the ghost peeped from under his bedclothes to see the strong man stretching his arms above his head and yawning. For a moment the ghost turned rigid with shock. "Friend ghost, there are insects in your cave," said Vijay Singh in a complaining voice. "Here I was, enjoying the sweetest sleep I've had in years, and there comes this insect to trouble me. I distinctly counted seven flappings of its wings. Of course, it has not bitten me, but it's most annoying." The ghost panicked. Those seven blows would have reduced any other man to pulp. 'There is no safety near a formidable wrestler like this,' he thought and fled from the cave leaving behind all his ill-gotten wealth.

शोर से परेशान होकर भूत ने अपने बिस्तर के नीचे से झांका और देखा कि मजबूत आदमी अपनी बांहों को अपने सिर से ऊपर खींच रहा है और जम्हाई ले रहा है। एक पल के लिए भूत सदमे से कठोर हो गया। विजय सिंह ने शिकायती आवाज में कहा, 'भूत दोस्त, तुम्हारी गुफा में कीड़े हैं।' 'यहां मैं कई साल में मधुर नींद का आनंद ले रहा था, और मुझे परेशान करने के लिए यहां कीड़ा आ गया। मैंने उसके पंखों की सात बार फड़फड़ाहट गिनी। बेशक, उसने मुझे काटा नहीं है, लेकिन यह सबसे अधिक कष्टप्रद है। भूत घबरा गया। उन सात बार ने किसी भी अन्य आदमी को लुगदी बना दिया होता। उसने सोचा, 'इस तरह के एक दुर्जेय पहलवान के पास रहना खतरे से खाली नहीं है, और वह गलत तरीके से कमाए अपने सारे धन को छोड़कर गुफा से भाग गया।'

It took several camels from the village to remove the property Vijay Singh had acquired. He returned much of it to the rightful owners. He went especially to the old woman, thanked her for her invaluable gift, and asked for her granddaughter's hand in marriage.

विजय सिंह द्वारा अर्जित संपत्ति को ले जाने के लिए गांव से कई ऊंटों की जरूरत पड़ी। उसने इसमें से अधिकांश संपत्ति उसके सही मालिकों को लौटा दी। वह विशेष रूप से बूढ़ी औरत के पास गया, उसे अमूल्य उपहार के लिए धन्यवाद दिया, और उसकी पोती से शादी की इच्छा जताई

## 10

## A Strange Wrestling Match

## Supplementary

*(English to Hindi Translation)*

Thenceforth, Vijay Singh was more careful about boasting. It is said that no traveller was ever troubled again in the Haunted Desert.

तब से विजय सिंह डींगे मारने को लेकर ज्यादा सावधान रहते थे। ऐसा कहा जाता है कि किसी यात्री को फिर कभी भूतिया रेगिस्तान में परेशान नहीं किया गया।

INDIRA DAVID

इंदिरा डेविड

[abridged Rajasthani folktale]

[संक्षिप्त राजस्थानी लोककथा]

